

109/17

श्री नारायण सिंह vs श्री निरंजन सिंह व अ-3

11-5-18

प्रभावली आज राजस्व लोक अदालत, जयपुर
 आपके द्वारा मैग्नेट तारागाह में पेशा हुआ।
 वारी का पुत्र मोहन सिंह उप.। गुनिवारी गण उप.।
 उपाखित पक्षकारान को सुना गया। ख. सं.
 2271/1 रकबा 02-09-00 पर बूके के विचारार्थ
 वद सं. 23/18 में आदेशित किया जादी
 छिने जाने से एके उक्त खसरा का समावेश
 वद सं. 23/18 में होने से एके की पक्षकारान
 होने से अब इस वद पर लोड अनुतोष
 भोज नहीं होता है जिस वद उपाखित
 पक्षकारान ने की समिति जोड़ि ली। उक्त
 माया के इस्तासद उपाखित पक्षकारान से
 करणीय गए। अतः इस उक्त पर कार्यवाही
 इस्तासद पर श्राप ली जाती है। उक्त
 रजदिल छिना जाता है। सिद्ध फैसल शुमार
 होकर नमद से चलन है।

① भयंकर सिंह

② मोहन सिंह

③ पं. ग. मि. ई.

वद सं. 23/18

सिलोक सिंह

कुराब सिंह

भरतसिंह



पीयूष कुमारिया
 प्रमुख अधि. एवं सहायक कलक्टर
 व्यावर